सोशल आडिट निदेशालय

ग्राम्य विकास विभाग, उ0प्र0
7वाँ तल, पी.सी.एफ. भवन, 32, स्टेशन रोड, लखनऊ–226001
Phone No.: 0522-2630878, Fax: 0522-4003787, E-mail: socialauditup@yahoo.in

पत्रांक: 577/सो.आ.नि.–156/16
दिनाँक: 15 नवम्बर, 2016

"सोशल आडिट–पारदर्शिता, जनसहभागिता तथा जवाबदेही हेतु प्रभावी टूल" विषय पर दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ के "सभागार" में आयोजित एक दिवसीय चतुर्थ राज्य स्तरीय कार्यशाला दिनांक 09–11–2016 का कार्यवृत्त।

"सोशल आडिट–पारदर्शिता, जनसहभागिता तथा जवाबदेही हेतु प्रभावी टूल" विषयक एक दिवसीय चतुर्थ राज्य स्तरीय कार्यशाला सोशल आडिट निदेशालय, उ0प्र0 के तत्वावधान में दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ (SIRD) के "सभागार" में दिनांक 09–11–2016 को सम्पन्न हुई। कार्यशाला में मा0 मंत्री जी, ग्राम्य विकास विभाग, उ0प्र0 शासन श्री अरविन्द कुमार सिंह "गोप", प्रमुख सचिव, ग्राम्य विकास विभाग, उ0प्र0 शासन श्री दीपक त्रिवेदी, एस0आई0आर0डी0 के महानिदेशक श्री एन0एस0 रवि, कार्यालय आयुक्त, ग्राम्य विकास से संयुक्त आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त, प्रदेश के विभिन्न मण्डलों से संयुक्त विकास आयुक्त, जनपदों से मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, डी0आर0डी0ए0, उपायुक्त, श्रम रोजगार तथा खण्ड विकास अधिकारी एवं कतिपय ग्राम प्रधानों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले अधिकारियों की सूची संलग्न है।

2– कार्यशाला का शुभारम्भ

मा0 मंत्री जी, ग्राम्य विकास विभाग, उ0प्र0 शासन श्री अरविन्द कुमार सिंह "गोप" ने दीप प्रज्जवलित कर किया। मा0 मंत्री जी, प्रमुख सचिव, ग्राम्य विकास विभाग, उ0प्र0 शासन, महानिदेशक, दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, लखनऊ (SIRD) तथा कार्यशाला में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों एवं मीडिया के प्रतिनिधियों का निदेशक, सोशल आडिट द्वारा स्वागत किया गया।

अपने स्वागत सम्बोधन में श्री राजवर्धन, निदेशक, सोशल आडिट ने कहा कि कार्यशालाओं की श्रृंखला में यह चौथी राज्य स्तरीय कार्यशाला मा0 मंत्री जी की प्रेरणा से आयोजित हो पाई है। मा0 मंत्री जी ने व्यस्तताओं के बावजूद भी कार्यशाला के महत्व को देखते हुए अपना बहुमूल्य समय देने की कृपा की है।

उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि प्रमुख सचिव, ग्राम्य विकास विभाग, उ0प्र0 शासन ने अपनी व्यस्तताओं के बावजूद कार्यशाला में पधारने की कृपा की है। कार्यशाला के आयोजन में श्री एन0एस0 रवि, महानिदेशक, एस0आई0आर0डी0 की प्रेरणा एवं बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा है। निदेशक ने मा0 मंत्री जी, प्रमुख सचिव तथा महानिदेशक के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इनके आर्शीवाद से ही सोशल आडिट के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को देश में अग्रणी स्थान प्राप्त हो पाया है।

3– अपने स्वागत भाषण में निदेशक श्री राजवर्धन ने सोशल आडिट के सम्बन्ध में प्रकाश डालते हुए कहा कि –

- सोशल आडिट एक नई विधा है। इसको लागू करने में अनेक कठिनाईयां आती रही हैं किन्तु जहॉ अन्य राज्यों में सामान्य कठिनाईयों का हल न निकाले जाने के कारण सोशल आडिट आगे नहीं बढ़ पाया वहीं हमारे प्रमुख सचिव श्री दीपक त्रिवेदी जी ने सभी कठिनाईयों एवं समस्याओं का व्यावहारिक हल प्रदान किया तथा व्यस्तताएं होते हुए भी हम लोगों की बात सुनकर हल निकाला। फलस्वरूप उ0प्र0 में सोशल आडिट की प्रक्रिया अबाध रूप से गतिमान है एवं अब तक 50000 से अधिक सोशल आडिट हो चुकी हैं।
- सोशल आडिट के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण अनिवार्य है। यह चुनौतीपूर्ण कार्य महानिदेशक, एस0आई0आर0डी0 श्री रवि साहब ने सहजतापूर्वक स्वीकार किया। सोशल आडिट प्रशिक्षण को प्राथमिकता दी। उन्होंने संस्थान के अधिकारियों को समय–समय पर निर्देशित एवं प्रोत्साहित कर 1,12,000 से अधिक रिसोर्स परसन्स एवं टीम के सदस्यों को प्रशिक्षण प्रदान कर राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित किया।
- सोशल आडिट कार्यक्रम के लिए वित्तीय संसाधन जुटाना एक मुश्किल कार्य रहा है, किन्तु हमारे प्रमुख सचिव महोदय एवं आयुक्त महोदय ने इसकी व्यवस्था के लिए समय–समय पर सम्बन्धित को समुचित निर्देश जारी किया, जिससे कि कठिनाईयां न हों। हम आश्वस्त हैं कि वर्ष 2017–18 में हमें समय से पर्याप्त धनराशियां मिल जायेंगी जिससे सभी 59162 ग्राम पंचायतों का सोशल आडिट करा सकेंगे।

निदेशक ने उ0प्र0 में सोशल आडिट के क्षेत्र में प्रशंसनीय प्रगति के लिए निदेशालय के अधिकारियों विशेषकर श्री कृष्ण गोपाल, अपर निदेशक (वित्त), श्री उमेश मणि त्रिपाठी, उपायुक्त, सोशल आडिट, श्री अमित श्रीवास्तव, प्रोग्रामर तथा कर्मचारियों द्वारा निष्ठापूर्वक किए गए परिश्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि निदेशालय में टीम स्प्रिट में काम करने को प्रोत्साहित किया गया है जिसका बहुत अच्छा परिणाम प्राप्त हुआ।

4— **महानिदेशक, एस0आई0आर0डी0 का उद्बोधन —**

महानिदेशक, एस0आई0आर0डी0 ने अपने उद्बोधन में मा0 मंत्री जी के प्रति आभार अपना व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह संस्थान का सौभाग्य है कि प्रमुख सचिव, ग्राम्य विकास विभाग, उ0प्र0 शासन ने संस्थान परिसर में पधारने की कृपा की है और हमें मा0 मंत्री जी का सानिध्य भी मिला है। उन्होंने विचार व्यक्त किया कि सोशल आडिट के माध्यम से जनतांत्रिक मूल्यों की पुष्टि होती है और जनसहभागिता के कारण सोशल आडिट से जनता को अपने हित में स्वतः निर्णय लेने की ताकत मिलती है। उन्होंने बताया कि प्रमुख सचिव, ग्राम्य विकास विभाग के रूप में वर्ष 2011—12 में उनकी देखरेख में उ0प्र0 सोशल आडिट संगठन का ढ़ांचा तैयार हुआ। फलस्वरूप वर्ष 2012 में ही सोशल आडिट निदेशालय की स्थापना हो सकी।

- ग्राम पंचायतों में क्रियान्वित हो रहे सभी सामाजिक कार्यक्रमों को धीरे—धीरे सोशल आडिट से आच्छादित किया जाना चाहिए।
- निदेशालय द्वारा सोशल आडिट के प्रति लोगों को जागरूक बनाने के उद्देश्य से पत्रिका के प्रकाशन पर विचार किया जाना चाहिए।
- सोशल आडिट के दौरान पाई गई कमियों को तत्परता से तथा समय से दूर किया जाना चाहिए और एक्शन टेकेन रिपोर्ट तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने मा0 मंत्री जी का ध्यान एस0आई0आर0डी0 से सम्बन्धित कतिपय समस्याओं की ओर आकर्षित किया।

महानिदेशक, एस0आई0आर0डी0 ने सोशल आडिट के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति के लिए श्री राजवर्धन, निदेशक, सोशल आडिट द्वारा संस्थान से समन्वय स्थापित करते हुए उनके नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि निदेशक, सोशल आडिट एवं उनके अधिकारीगण संदर्शिका, प्रशिक्षण साहित्य के विकास, सोशल आडिट हेतु प्रपत्रों को तैयार करने एवं प्रशिक्षण माड्यूल तैयार करने में प्रशंसनीय भूमिका निभाई है, उन्हें संस्थान का वांछित सहयोग पूर्ववत् मिलता रहेगा।

5– श्री दीपक त्रिवेदी, प्रमुख सचिव, ग्राम्य विकास विभाग, उ0प्र0 शासन का उद्‌बोधन –

प्रमुख सचिव ने कहा कि वे किसी भी विषय को चुनौती के रूप में लेते हैं और सोशल आडिट को भी उन्होंने इसी रूप में लिया है। पंचायत स्तर पर कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में वह जन–सहभागिता की कमी रहने या पारदर्शिता न होने पर जन–सामान्य में शक का घेरा बन जाता है और क्रियान्वयन से सम्बन्धित व्यक्तियों की जवाबदेही देना मुश्किल हो जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए उ0प्र0 में सोशल आडिट को गतिशील बनाने के लिए हर सम्भव प्रयास किया गया है और यह गौरव का विषय है कि भारत सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश में सोशल आडिट निदेशालय द्वारा विकसित साहित्य को अन्य राज्यों के लिए दृष्टान्त माना जाता है।

एस0आई0आर0डी0 के माध्यम से गत 04 वर्षों में 1,12,000 से अधिक रिसोर्स परसन्स तथा टीम के सदस्यों को प्रशिक्षण प्रदान करना तथा 50,000 से अधिक ग्राम पंचायतों में सोशल आडिट सम्पन्न करना एक राष्ट्रीय कीर्तिमान है। सोशल आडिट के सम्बन्ध में जन–जागरूकता लाने एवं सोशल आडिट सम्पन्न करने में सहायक पत्रिकाओं, संदर्भ ग्रंथों, संदर्शिका जैसे साहित्य का सृजन कर उ0प्र0 ने वास्तव में इतिहास रचा है। भारत सरकार द्वारा उ0प्र0 में साहित्य सृजन के क्षेत्र में किए गए कार्यों को अन्य राज्यों के लिए अनुसरणीय पाया गया है।

प्रमुख सचिव ने कहा कि सोशल आडिट का उद्‌देश्य कार्यक्रमों का सही क्रियान्वयन, पारदर्शिता, जनसहभागिता तथा लाभार्थियों को उनकी हकदारी दिलाने में सहायता करना है। सोशल आडिट के दौरान कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में हुई अनियमितताओं को भी साक्ष्य के साथ उजागर किया जाना चाहिए ताकि दोषी लोगों के विरूद्ध कार्यवाही की जा सके। यह संतोष का विषय है कि गत 04 वर्षों में लगभग 07 करोड़ से अधिक की अनियमितताएं सोशल आडिट माध्यम से प्रकाश में लाई गई हैं, जिसके सम्बन्ध में प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। अभी तक प्रारम्भिक रूप से लगभग रू0 15.00 लाख से अधिक की वसूली हो पाई है। यद्यपि यह आंकड़ा संतोषजनक नहीं है परन्तु यह इस बात का द्योतक है कि अनियमितताओं को संज्ञान में लेकर कार्यवाही प्रारम्भ हो चुकी है।

प्रमुख सचिव ने निदेशक, सोशल आडिट श्री राजवर्धन एवं निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारी अपर निदेशक (वित्त) एवं उपायुक्त, सोशल आडिट की टीम के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके अनुभव एवं अथक परिश्रम के फलस्वरूप ही सोशल आडिट के क्षेत्र में अल्पसमय में ही देश के अनेक राज्यों को पीछे छोड़ दिया है।

प्रमुख सचिव ने मा0 मंत्री जी, महानिदेशक, एस0आई0आर0डी0, निदेशक, सोशल आडिट, निदेशालय एवं एस0आई0आर0डी0 के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, सभी उपस्थित प्रतिभागियों तथा पत्रकारों के प्रति धन्यवाद के साथ अपने उद्बोधन को विराम दिया।

6— मा0 मंत्री जी का उद्बोधन —

मा0 मंत्री जी को अध्यक्षीय भाषण के लिए आमंत्रित करने के पूर्व निदेशालय की पत्रिका ''पारदर्शी'' का विमोचन हुआ। मा0 मंत्री जी ने पत्रिका का औपचारिक विमोचन किया एवं पत्रिका सभी आगन्तुकों को वितरित की गई।

मा0 मंत्री की के अध्यक्षीय भाषण के पूर्व सोशल आडिट के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान करने वाले अधिकारियों को प्रमाण–पत्र एवं स्मृति–चिन्ह दिया गया। मा0 मंत्री जी ने प्रमाण–पत्रों को वितरित करते हुए कहा कि यह पहली बार हो रहा है। जब श्रेष्ठ कार्य करने के लिए विभाग के अधिकारियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रमाण–पत्र एवं स्मृति–चिन्ह दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रोत्साहन की प्रक्रिया को प्रतिवर्ष आयोजित किया जाना चाहिए। मा0 मंत्री जी ने कहा कि ग्राम्य विकास विभाग में जिन योजनाओं में बहुत सराहनीय कार्य हुआ उनमें सोशल आडिट प्रथम है। यह गौरव का विषय है कि यद्यपि उत्तर प्रदेश में सोशल आडिट वर्ष 2012 में प्रारम्भ हुआ, फिर भी आज देश में आन्ध्र प्रदेश के बाद हमारा राज्य देश में दूसरे स्थान पर है जबकि आन्ध्र प्रदेश में सोशल आडिट कार्यक्रम वर्ष 2006 से ही प्रारम्भ हो गया था। उन्होंने अपने कर–कमलों से 22 अधिकारियों को प्रमाण–पत्र एवं स्मृति–चिन्ह देकर पुरस्कृत किया।

मा0 मंत्री जी ने अपने आर्शीवचन में कहा कि किसी भी कार्यक्रम की सफलता के लिए टीम भावना से कार्य किया जाना अनिवार्य है। अच्छा काम करने वाली टीमों को सम्मानित किया जाना उनके उत्साहवर्धन और बेहर से बेहतर परिणाम देने के लिए प्रेरित करने की दृष्टि से बहुत ही सार्थक कदम है। ग्राम पंचायतों में जो भी कार्यक्रम संचालित हो रहे हैं उनके सफल क्रियान्वयन में ग्राम प्रधानों का अमूल्य योगदान होता है। अतः उनका सहयोग भी प्राप्त किया जाना चाहिए। उन्होंने मूल मंत्र दिया कि टीम अच्छी तो काम अच्छा।

उन्होंने राज्य सरकार की लोकहितकारी नीतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में गरीबों, किसानों एवं वंचितों की मदद के लिए ईमानदारी और बड़ी सोच के साथ काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में ग्राम विकास विभाग लगातार विभिनन कार्यक्रमों का लाभ गांवों तक और जरूरतमंद लाभार्थियों तक पहुॅचाने में सफलता प्राप्त की है। इसके पीछे ग्राम

विकास विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का मनोयोग से कर्तव्य पालन और योजनाओं के क्रियान्वयन में दक्षतापूर्वक कार्य करना सफलता का कारण है।

उन्होंने बल दिया कि बेहतर एवं उल्लेखनीय काम करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहन अवश्य मिलना चाहिए, फिर भी यदि कोई जानबूझकर गलत कार्य करता है तो उसे त्रुटि सुधार करने हेतु अवसर दिया जा सकता है और यदि आवश्यक हो तो उसे दण्ड दिया जाना भी आवश्यक हो सकता है।

मा0 मंत्री जी ने प्रमुख सचिव, ग्राम्य विकास विभाग की प्रशंसा करते हुए विभाग की योजनाओं के सम्बन्ध में शासन की नीतियों एवं मंशा के अनुरूप अत्यन्त कुशलता एवं प्रशासकीय क्षमता के साथ सहयोग देने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

मा0 मंत्री जी ने श्री एन0एस0 रवि, महानिदेशक, एस0आई0आर0 डी0 को बधाई देते हुए कहा कि श्री रवि ने संस्थान में आमूल परिवर्तन किया है और इनके समय में प्रशिक्षण के नए कीर्तिमान भी स्थापित हुए हैं।

मा0 मंत्री जी ने अपने आर्शीवचन के अन्त में श्री राजवर्धन, निदेशक, सोशल आडिट, उ0प्र0 के उत्कृष्ट कार्य की सराहना करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की एवं उनकी टीम तथा एस0आई0आर0 डी0 के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि राज्य स्तरीय कार्यशाला के आयोजन में बहुत ही परिश्रम किया गया है। कार्यशाला में वितरित पुस्तिका ''पारदर्शी'' बहुत ही उपयोगी है। कार्यशाला से लोगों को सोशल आडिट की उपादेयता को आत्मसात करने में अवश्य मदद मिलेगी।

इस कार्यशाला के सम्बन्ध में श्री राजवर्धन, निदेशक, सोशल आडिट, अपर निदेशक (वित्त) एवं उपायुक्त, सोशल आडिट के साथ सम्पर्क करते रहे हैं। इससे बातचीत के बाद मैं महसूस करता हूॅ कि निदेशालय में बड़ी संख्या में प्रशिक्षण साहित्य, संदर्भ पुस्तिका तथा सोशल आडिट के लिए प्रपत्र आदि विकसित किए गए हैं। ऐसा कठिन परिश्रम, अध्ययन एवं अनुभव के फलस्वरूप ही सम्भव हो पाया है। सोशल आडिट निदेशालय के कर्मचारियों ने इस कार्य में अपना निरन्तर सहयोग दिया है। फलस्वरूप सोशल आडिट की गुणवत्ता, संख्या तथा प्रशिक्षण साहित्य के माध्यम से व्यापक प्रचार–प्रसार के क्षेत्र में उ0प्र0 राष्ट्र में यदि प्रथम नही तो द्वितीय स्थान पर अवश्य है। निदेशक, सोशल आडिट एवं अधिकारी–कर्मचारीगण इस हेतु प्रशंसा एवं साधुवाद के पात्र हैं।

मा0 मंत्री जी ने कार्यशाला के आयोजन हेतु प्रसन्नता व्यक्त की और सभी को धन्यवाद दिया।

प्रथम सत्र में श्री उमेश मणि त्रिपाठी, उपायुक्त,सोशल आडिट ने समस्त आगन्तुकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मा0 मंत्री जी को आश्वस्त किया कि सोशल आडिट के क्षेत्र में आपके मार्गदर्शन में निदेशालय पूरे देश के लिए ''मील का पत्थर'' साबित होगा।

7— <u>तकनीकी सत्र</u> :

तकनीकी सत्र का संचालन श्री उमेश मणि त्रिपाठी, उपायुक्त, सोशल आडिट द्वारा किया गया। तकनीकी सत्र में निम्नांकित मन्तव्य व्यक्त किए गए :—

श्री कृष्ण गोपाल, अपर निदेशक (वित्त), सोशल आडिट ने सोशल आडिट हेतु चयनित विकास खण्डों के सभी ग्राम पंचायतों को एकसाथ सोशल आडिट हेतु कैलेण्डर में सम्मिलित किए जाने तथा सोशल आडिट के अन्त में विकास खण्ड पर Exit Conference के पहल एवं प्रक्रिया पर प्रकाश डाला।

श्री भूरे लाल, ग्राम प्रधान, बरेली ने सोशल आडिट की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और बताया कि इससे ग्राम पंचायतों में कार्यक्रमों की जवाबदेही की भावना से कार्य कराने हेतु प्रेरणा मिलती है।

सुश्री प्रतिभा सिंह, उपायुक्त—मनरेगा ने अधिकारियों को पुरस्कृत करने की योजना की प्रशंसा की है और सुझाव दिया कि आगे भी अधिकाधिक अधिकारियों को श्रेष्ठ कार्य के लिए चिन्हित किया जाता रहेगा।

श्री अनिल कुमार सिंह, उपायुक्त—मनरेगा ने कहा कि जनपदों में उपायुक्त मनरेगा का पद मई—2010 से भरा गया है। इस पद की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कार्यक्रमों के क्रियान्वयन, अनुश्रवण एवं अधिकारियों पर नियंत्रण रखने की दिशा में उपायुक्त मनरेगा का योगदान बहुत है किन्तु इस पद के नया होने के कारण समुचित पहचान कराने की आवश्यकता है, जो अभी तक नहीं हो पायी है।

श्री राजेन्द्र सिंह कटियार, ग्राम विकास अधिकारी ने कहा कि सोशल आडिट को पुलिसिया कद देने से बचाना होगा। ग्राम प्रधानों में सोशल आडिट के प्रति विश्वास की भावना जगानी होगी। उन्होंने सुझाव दिया कि राज्य स्तरीय कार्यशाला के साथ ही जनपद स्तर भी कार्यशाला का आयोजन किया जाना चाहिए।

डॉ0 विवेक कुमार, आर0आई0आर0डी0, प्रतापगढ़ ने सुझाव दिया कि सोशल आडिट टीम के सदस्यों का प्रशिक्षण 03 दिन के स्थान पर 05 दिनों का होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण का पहला दिन

परिचय कराने एवं सामान्य जानकारी देने तथा दूसरा दिन सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण देने तथा तीसरा दिन क्षेत्र भ्रमण एवं उसके उपरान्त रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण करने तदुपरान्त प्रमाण–पत्र वितरण करने में व्यतीत हो जाता है।

श्री कमलेश नाथ, ग्राम प्रधान, सफीपुर, उन्नाव ने सुझाव दिया कि ग्राम पंचायतों को प्रत्येक विकास कार्यक्रम से सक्रिय रूप से जोड़ा जाए। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायतों में एक नाम के कई जॉबकार्ड बना दिए गए हैं। मनरेगा के श्रमिकों को मजदूरी भुगतान में काफी विलम्ब हो जाता है तथा आडिट शब्द सुनकर ही डर लगता है। उन्होंने प्रस्ताव दिया कि इन कठिनाईयों का निवारण किया जाये और सोशल आडिट को दृढ़ता से लागू किया जाए, क्योंकि यह बहुत अच्छा कार्यक्रम है।

श्री अमित श्रीवास्तव, प्रोग्रामर ने निदेशालय की वेबसाइट का प्रदर्शन किया और अनुरोध किया कि निदेशालय और सोशल आडिट सम्बन्धी जानकारी इस वेबसाइट पर प्राप्त की जा सकती है। यह भी अपेक्षा की गई कि जिला विकास अधिकारी वेबसाइट पर जिलों से सम्बन्धित विवरण जैसे पदाधिकारियों के नाम, पदनाम इत्यादि को समय–समय पर अद्यतन करते रहें।

डॉ0 ओ0पी0 पाण्डेय, संयुक्त निदेशक, एस0आई0आर0डी0 ने अवगत कराया कि भारत सरकार द्वारा प्रदत्त सुझावों एवं गत वर्षों में सोशल आडिट से प्राप्त अनुभवों के आधार पर उ0प्र0 में सोशल आडिट को सदैव अभिनव, उपयोगी एवं प्रभावी स्वरूप दिया जाता रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि सोशल आडिट के दायरे में ग्राम पंचायतों की सभी योजनाओं को लाया जाना चाहिए। श्री पाण्डेय ने टीम के सदस्यों के मानदेय को तर्कसंगत बनाने पर बल दिया।

कार्यक्रम का समापन श्री राजवर्धन, निदेशक, सोशल आडिट द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों द्वारा दिए गए बहुमूल्य सुझावों पर विचार करने एवं समुचित स्तर पर गुण–दोष के आधार पर निर्णय लेने का आश्वासन दिया। निदेशक ने प्रतिभागी अधिकारियों, निदेशालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा एस0आई0आर0डी0 के अधिकारियों/कर्मचारियों के अतुलनीय सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और कार्यशाला की सफलता के लिए प्राप्त सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया।

निदेशक, सोशल आडिट ने इस बात का विशेष रूप से उल्लेख किया कि सोशल आडिट के क्षेत्र में मा0 मंत्री जी ने जिस प्रशंसनीय सफलता का उल्लेख किया है और जिसका श्रेय निदेशक, सोशल आडिट और उनकी टीम को दिया है, वास्तव में उसके पीछे निदेशालय में टीम भावना से कार्य करने एवं सभी महत्वपूर्ण मामलों में प्रमुख सचिव महोदय का सम–सामयिक मार्गदर्शन मिलते रहना ही प्रमुख कारण है।

उन्होंने कहा कि मा0 मंत्री जी, प्रमुख सचिव, ग्राम्य विकास तथा महानिदेशक, एस0आई0आर0डी0 द्वारा उनकी और निदेशालय की जो प्रशंसा की गई है वह उसके लिए आभारी हैं और इस प्रशंसा से प्रोत्साहित होते हुए प्रयास होगा कि सोशल आडिट निदेशालय निरन्तर अधिक से अधिक उपलब्धियां प्राप्त करता रहे।

8— निदेशक, सोशल आडिट द्वारा मा0 मंत्री जी, ग्राम्य विकास विभाग, प्रमुख सचिव, महानिदेशक, एस0आई0आर0डी0 तथा सभी उपस्थित अधिकारियों को धन्यवाद देने के साथ कार्यशाला सम्पन्न हुई।

संलग्नक—यथापरि।

(राजवर्धन)
निदेशक।

पत्रांक : 577 /सो0आ0नि0—156/2016 दिनांक 15 नवम्बर, 2016

प्रतिलिपि :— निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

1— निजी सचिव, मा0 मंत्री जी, ग्राम्य विकास विभाग, उ0प्र0 शासन को इस अनुरोध के साथ प्रेषित कि कृपया मा0 मंत्री जी को अवलोकित कराने का कष्ट करें।
2— निजी सचिव, मा0 मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन।
3— प्रमुख सचिव, ग्राम्य विकास विभाग, उ0प्र0 शासन।
4— आयुक्त, ग्राम्य विकास, उ0प्र0।
5— समस्त मण्डलायुक्त, उत्तर प्रदेश।
6— समस्त संयुक्त विकास आयुक्त, उत्तर प्रदेश।
7— समस्त जिलाधिकारी, उत्तर प्रदेश।
8— समस्त मुख्य विकास अधिकारी, उत्तर प्रदेश।
9— समस्त जिला विकास अधिकारी, उत्तर प्रदेश।

(राजवर्धन)
निदेशक।

Rks/desktop/gen.letters